पाठ 21

# घमंडी का बाग

स्कूल से लौटकर सभी बच्चे घमंडी के बाग में खेलते थे। वह बाग नरम हरी घास वाला और बड़ा सुंदर था। पेड़ की टहनियों पर चिड़ियाँ गाती तो बच्चे उन्हें सुनने के लिए खेलना बंद कर देते थे। "यहाँ हम कितने खुश हैं," वे एक दूसरे से कहते।

एक दिन घमंडी वापस आ गया। उसने अपने बाग में बच्चों को खेलते देखा। "तुम सब यहाँ क्या कर रहे हो ?" वह चिल्लाया। सारे बच्चे वहाँ से भाग गए।

"यह मेरा बाग है और यह सिर्फ मेरे लिए है", घमंडी ने कहा। उसने बाग के चारों ओर एक ऊँची चहारदीवारी बनाई । उसके बाहर एक बोर्ड टाँग दिया – बाग में आना सख्त मना है।

अब बच्चों के खेलने के लिए कोई जगह नहीं बची।

बसंत का मौसम आया। सभी जगह छोटे–छोटे फूल खिलने लगे। नन्हीं चिड़ियाँ चहकने लगीं परन्तु धमंडी के बाग में अभी भी जाड़ा ही था। वहाँ थी केवल बर्फ और ठंडी हवा। हवा ने कहा "हमें ओलों को भी बुलाना चाहिए।" फिर क्या था, हर दिन तीन घंटे बड़े–बड़े ओले बरसने लगे।

धमंडी सोचता जल्दी ही मौसम बदलेगा, लेकिन न बसंत आया और न ही गर्मी। एक दिन धमंडी अपने पलंग पर लेटा था। उसे मधुर संगीत सुनाई दिया। एक छोटी–सी चिड़िया उसकी खिड़की के बाहर गा रही थी। उसने बाहर झाँका तो देखा – दीवार के एक छेद से कई बच्चे बाग में घुस आए थे। वे पेड़ों की डालियों पर बैठे थे। पेड़ बच्चों का साथ पाकर बहुत खुश थे। उनकी कलियाँ खिलखिला रहीं थीं। बाग के एक कोने में एक छोटा–सा लड़का खड़ा था। वह इतना छोटा था कि उसके हाथ पेड़ की टहनियों को छू नहीं पा रहे थे। वह टहनियाँ पकड़ने के लिए

बार–बार कूद रहा था। न छू पाने पर वह जोर–जोर से रो भी रहा था। "चढ़ो बेटा", पेड़ ने कहा और अपनी डालियों को नीचे झुका दिया, लेकिन वह लड़का बहुत छोटा था।

यह सब देखकर घमंडी का दिल पिघल गया। "मैं कितना बुरा हूँ", घमंडी ने सोचा।"अब मुझे पता चला कि बसंत मेरे बाग में क्यों नहीं आया। मैं उस छोटे लड़के को पेड़ पर बैठा दूँगा, उसके बाद मैं इस चहारदीवारी को गिरा दूँगा, जिससे बच्चे मेरे बाग में खेलते रहें।" घमंडी को अपने किए पर बहुत पछतावा हो रहा था। वह दबे पाँव बाग में पहुँचा, परन्तु बच्चे उसे देखते ही वहाँ से भाग गए। सिर्फ वह छोटा लड़का नहीं भागा। घमंडी चुपके से उसके पीछे गया और उसने उस लड़के को प्यार से उठाकर पेड़ पर बैठा दिया।

छोटे लड़के ने खुशी से अपने हाथ फैलाए और घमंडी के गले में डाल दिए। बाकी बच्चों को भी लगा कि अब घमंडी बदल गया है। "बच्चो ! यह बाग अब तुम्हारा है", घमंडी ने कहा। लोगों ने देखा बगीचे मे बच्चों के साथ घमंडी खेल रहा है।

बच्चे रोज छुट्टी के बाद बाग में खेलने लगे। अब घमंडी कहने लगा, "मेरे बाग में बहुत से सुंदर फूल हैं, लेकिन इनमें सबसे सुंदर फूल तो ये बच्चे ही हैं।"

*(आस्कर वाइल्ड की कहानी का रूपान्तर)*

## अभ्यास

1. उत्तर लिखो –

क. बच्चे घमंडी को देखकर क्यों भागे ?

ख. घमंडी के बाग में फूल क्यों नहीं आए ?

ग. घमंडी का दिल क्या देखकर पिघल गया ?

घ. घमंडी ने बच्चों को सबसे सुंदर फूल क्यों कहा ?

ङ अपनी चीजों को दूसरों के साथ बाँटने पर तुम्हें कैसा लगता है ?

च. इस कहानी का और क्या शीर्षक हो सकता है ?

2. वाक्य पूरे करो –

क. घमंडी ने कहा, "यह ........................ ।

ख. उसने बगीचे के बाहर एक ........... लगा दिया।

ग. लोगों ने देखा ........... में ........... के साथ ........... भी खेल रहा है।

3. कुछ और फूलों के नाम जोड़ो –

कनेर, गेंदा, गुलाब, ..........., ..........., ..........., ...........

4. अपने माता–पिता से पूछकर ऋतुओं के नाम लिखो –

..............................................................................................................

5. तुम बहुत से खेल खेलते होगे। किसी एक खेल के बारे में अपनी कॉपी में लिखो कि उसे कैसे–कैसे खेलते हैं ?

6. इस पाठ में आए संज्ञा, सर्वनाम तथा क्रिया शब्दों को ढूँढ़कर लिखो।

7. कहानी को अपने शब्दों में सुनाओ।

❁ कहानी पर कक्षा में अभिनय कराएँ एवं बच्चों को इसी प्रकार की रोचक कहानियाँ सुनाएँ।

# मेजर शैतान सिंह

भीषण सर्दी पड़ रही थी। पाँच हजार मीटर की ऊँचाई पर स्थित रेजांगला पहाड़ी भी उस सर्दी से मानो काँप रही थी। इस भयानक सर्दी में भी मेजर शैतान सिंह अपनी कंपनी के साथ देश की सीमा की रक्षा के लिए डटे हुए थे।

18 नवम्बर, 1962 को चीन की सेना ने भारी संख्या में इस चौकी पर हमला कर दिया। चीनी सैनिकों के पास बड़ी–बड़ी तोपें थीं। वे गोले बरसाते हुए आगे बढ़ने लगे।

मेजर शैतान सिंह ने अपनी कम्पनी के जवानों के साथ बहादुरी से मुकाबला किया। उन्होंने मोर्चा कमजोर नहीं होने दिया। शत्रु सेना को भारी नुकसान हुआ। सैकड़ों चीनी सैनिक हताहत हुए।

मेजर शैतान सिंह का शरीर छलनी हो गया था। बाहें बुरी तरह घायल हो चुकी थीं। बहुत खून बह रहा था, किंतु वह मोर्चे से हटने को तैयार न थे। उनके साथियों ने कई बार कोशिश की कि उन्हें अस्पताल भेज दें, लेकिन वह अडिग रहे। उन्होंने शत्रु से लड़ते हुए वीरगति प्राप्त की।

मेजर शैतान सिंह से प्रेरणा पाकर उनकी कम्पनी का एक–एक जवान अंतिम साँस तक लड़ता रहा।

कुमाऊँ रेजीमेंट के वीर मेजर शैतान सिंह को इस अटूट साहस के लिए मरणोपरांत परमवीर चक्र प्रदान किया गया।

बच्चे पाठ का स्वयं अध्ययन करें। बच्चों को वीरों की बहादुरी संबंधी अन्य सामग्री पढ़ने को दें।

## कितना सीखा ?

1. उत्तर दो–

क. फूलों ने जड़ को खूबसूरत क्यों कहा ?

ख. तारक कछुआ ने समुद्र में क्या–क्या देखा ?

ग. सुभाष चन्द्र बोस ने जवानों से क्या कहा ?

घ. बच्चों को भगा देने से घमंडी के बाग पर क्या प्रभाव पड़ा ?

ङ. शेर सिंह का व्यवहार किए घटना से बदल गया ?

2. नीचे दिए गए शब्दों का अर्थ लिखो –

| सलोना | बदसूरत | जमीन | हताहत | नेतृत्व | दुर्घटना |
|---|---|---|---|---|---|
| ........ | ........ | ........ | ........ | ........ | ........ |

3. क. पुस्तक में तुम्हें सबसे अच्छी कहानी कौन–सी लगी और क्यों ?

..............................................................................................

ख. कौन–सी कविता अच्छी लगी और क्यों ?

..............................................................................................

4. नीचे लिखे वाक्यों में सही विराम चिह्न छाँटकर लगाओ–

( ? ) ( । ) ( ! ) ( , ) ( – )

(क) तुम शहर कब जाओगे

(ख) अहा जलेबी मिल रही है

(ग) इतना बड़ा रसगुल्ला

(घ) रामेश्वरम् के पहले रानी बिटिया कहाँ  कहाँ गई

(ङ) गीता मीना और सुनील मेला देखने गए

(च) गुलमोहर झुलस गया एक दम ठूँठ सा हो गया

5. इस चिट्ठी में खाली स्थानों को भरो –

मेरी प्यारी गोलू,

आज मैंने खूब होली खेली। मैंने सुबह उठते ही ........ घोला। उसे ............... में भरकर सबको रंग डाला। सब पूरी तरह से ............. गए। माधव ने मेरे ऊपर ............ डाला। बहुत ..................आया। तुमने होली कैसे .............., बताना।

तुम्हारी

शैलू

6. नीचे दिए गए शब्दों में 'ता' जोड़कर नये शब्द बनाओ –

| स्वतंत्र | दुर्बल | पराधीन | मानव | सत्य |
|---|---|---|---|---|
| ........... | ........... | ........... | ........... | ........... |

7. इन वाक्यों को ठीक (शुद्ध) करके लिखो –

क. मैं खाना खाया।

ख. उसने पानी पी।

ग. चिड़िया डाल पर बैठा।

घ. लोकेश और लता झूला झूलता है।

8. अपने मनपसंद खेल के विषय में बताओ–

क. किस-किस के साथ खेलते हो ?

ख. किन-किन चीजों के साथ खेलते हो ?

ग. नियम कौन बनाता है ?

घ. कितनी देर तक खेलते हो ?

ङ. हार–जीत के समय क्या होता है ?